पत्र सूचना कार्यालय (रक्षा विंग)
भारत सरकार
****
'हर काम देश के नाम'

नई दिल्लीः भाद्रपद, 1944
मंगलवारः 23 अगस्त 2022

भारतीय तटरक्षक बल ने 32 बांग्लादेशी मछुआरों को बचाया

भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने दोनों तटरक्षकों के बीच मौजूदा समझौता ज्ञापन के अनुसार आज 32 बांग्लादेशी मछुआरों को बचाया और उन्हें बांग्लादेश तटरक्षक (बीसीजी) को सौंप दिया। भारतीय तटरक्षक पोत 'वरद' ने भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा पर 32 बांग्लादेशी मछुआरों की नौकाएं पलटने के बाद उन्हें समुद्र में डूबने से बचाया और बांग्लादेश तटरक्षक पोत 'ताजुद्दीन (पीएल -72)' को सुरक्षित सौंप दिया। बांग्लादेश तटरक्षक बल ने बांग्लादेशी मछुआरों की जान बचाने में मानवीय भूमिका निभाने के लिए भारतीय तटरक्षक बल का धन्यवाद किया।

बांग्लादेशी मछुआरों की नौकाएं चक्रवाती मौसम/दबाव के दौरान पलट गई थीं, जो 19-20 अगस्त 22 के बीच बांग्लादेश और पश्चिम बंगाल के तट के समानांतर यात्रा कर रही थीं। इनमें से अधिकांश मछुआरे अशांत समुद्र में जाल पर चिपटे हुए/तैरते हुए और नौकाओं के डूबने के लगभग 24 घंटे बाद तक जीवित रहने के लिए संघर्ष करते हुए पाए गए, जब उन्हें 20 अगस्त 22 को भारतीय तटरक्षक पोतों और विमानों द्वारा देखा गया था। 32 बांग्लादेशी मछुआरों में से 27 को भारतीय तटरक्षक बल ने गहरे पानी से सुरक्षित बाहर निकाला और शेष 05 को कम गहरे पानी से भारतीय मछुआरों द्वारा बचाया गया।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा 'कम दबाव का क्षेत्र' बनने के पूर्व संकेत के साथ, भारतीय तटरक्षक बल ने पश्चिम बंगाल और ओडिशा राज्यों में अपने पोतों/विमानों और सभी तटीय यूनिटों को सतर्क कर दिया था। भारतीय तटरक्षक बल कम दबाव/चक्रवात की संभावना के दौरान आवश्यक उपाय करने के लिए मछुआरों और स्थानीय प्रशासन को सलाह जारी करते हुए प्रतिदिन मौसम अपडेट की निगरानी करता है। भारतीय तटरक्षक बल आसन्न मौसम/चक्रवात से उत्पन्न जोखिमों को कम करने के लिए सिविल प्रशासन, मत्स्य अधिकारियों और पश्चिम बंगाल तथा ओडिशा के संबंधित राज्यों के स्थानीय मछली पकड़ने/ट्रॉलर संगठनों के साथ घनिष्ठ समन्वय में काम कर रहा है।

अपने ड्यूटी चार्टर के हिस्से के रूप में, भारतीय तटरक्षक बल लगातार समुद्री खोज एवं बचाव अभियान चलाता है। भारतीय तटरक्षक न केवल संकट में फंसे मछुआरों और नाविकों को सांत्वना प्रदान करता है, बल्कि मानवीय सहायता भी प्रदान करता है। यह अभियान सभी बाधाओं के खिलाफ समुद्र में बहुमूल्य जीवन की रक्षा के प्रति भारतीय तटरक्षक बल की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस तरह के सफल खोज एवं बचाव अभियान न केवल क्षेत्रीय (खोज एवं बचाव)

एसएआर असंरचना को मजबूत करेंगे, बल्कि पड़ोसी देशों के साथ अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को भी बढ़ाएंगे।

एबीबी/डीएस